दिल्ली और कलकत्ता के बीच इलैक्ट्रिक ट्रेन सेटों (ई० टी० एस०) का क्रियान्वयन

1131. डा० जितेन्द्र कुमार जैन : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली और कलकत्ता के बीच यात्रा-समय में 32 मिनट की बचत करने के लिए सरकार ने 43 करोड़ रुपए की कुल लागत से, जिसमें लगभग 22 करोड़ रुपए की विदेशी मुद्रा भी शामिल है, इलैक्ट्रिक ट्रेन सेटस (ई.टी.एस.) की व्यवस्था करने का निर्णय किया है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि रेलवे बोर्ड के अधिकांश सदस्य इस निर्णय के विरुद्ध थे, क्योंकि केवल 4.5 करोड़ रुपए की लागत से एक वैकल्पिक व्यवस्थों की जा सकती थी;

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार, देश की वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए इसके कार्यान्वयन रोक देगी, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

रेल मंत्री (श्री जार्ज फर्नांडीज) : (क) जी नहीं।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

(घ) प्रोटोटाइप बिजली गाड़ी सेट 400 से 450 कि. मी. तक की दूरी के लिए तीव्र अन्तः नगरीय सेवा के लिए लगाये गये हैं। ऐसा समझा जाता है कि प्रस्तावित गाड़ी सेट से न केवल यात्रा शीघ्र पूरी होगी अपितु इसे भारतीय रेलों के संतृप्त खंडों पर अन्य यातायात के लिए लाइन क्षमता भी रिलीज हो सकेगी। इसकी वास्तविक लागत की जानकारी नहीं है क्योंकि वाणिज्यिक प्रस्तावों को अभी खोला जाना है। इलैक्ट्रिक ट्रेन सेटस के विशिष्ट पहलुओं में निम्नलिखित शामिल हैं- (1) 160 कि० मी० प्रति की उच्च गति क्षमता; (2) शीघ्र गति बढ़ाने व घटाने की क्षमता; (3) पुनर्जनन द्वारा ऊर्जा बचाने की क्षमता; (4) बेहतर विश्वसनीयता और (5) अनुरक्षण लागत में कमी।

Concessions given to vanaspati industry

1132. DR. YELAMANCHIU SIVAJI : Will the Minister of FOOD ANT) CIVIL SUPPLIES be pleased to state

(a) what is the total value of concessions given to the Vanaspati Industry during the last three years, till date by way of reduction in the price c.i imported vegetable oils ;

(b) what is the percentage of production of vanaspati during the same period, year-wis^, compared to the availability of other cooking oils and fats during the said ptriod ; and

(c) what is the total edible-grain rice bran oil produced in the count] during the last three years and the quantity consumed by the general public after refining and the quantity consurned by the vanaspati industry ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MIWSTRY OF FOOD AN.I CIVIL SUPPLIES (SHRI RAM PUJAN PATEL) : (a) There has not been an